



Bhavanyashtakam

এই পাঠগুলি সম্পর্কে

উৎস

লিপ্যন্তর

প্রতিটি পাঠ তার উৎস, ঐতিহ্য ও সংস্করণ-সহ ছাপা হয়েছে। অন্যান্য ঐতিহ্য ও সংস্করণে শব্দে সামান্য পার্থক্য থাকতে পারে।

রোমান পঞ্জিকিট দেবনাগরী থেকে তৈরি IAST লিপ্যন্তর (ā = দীর্ঘ আ, ṃ = অনুস্বার, ḥ = বিসর্গ, ś/ṣ = শ/ষ, c = চ)। হিন্দি, অবধী ও ব্রজ পাঠে শব্দের শেষের অনুচ্চারিত “অ” বাদ দেওয়া হয়। লিপ্যন্তরে বৈদিক স্বর দেখানো হয় না।

Bhavanyashtakam

ধরন	অষ্টকম্
দেবতা	Devi (the Goddess)
সংস্করণ	Verified text
ঐতিহ্য	শাক্ত
উৎস	Sanskrit Wikisource (sa.wikisource.org) — भवान्यष्टकम्, revision 35918
কৃতজ্ঞতা	Text: Sanskrit Wikisource contributors (CC BY-SA 4.0). Verification, summary and meaning: Udyog Jyotish editorial team.
কপিরাইট	Text in the public domain. Transcription from Sanskrit Wikisource, CC BY-SA 4.0.

न तातो न माता न बन्धुर्न दाता न पुत्रो न पुत्री न भृत्यो न भर्ता।

na tāto na mātā na bandhurna dātā na putro na putrī na bhr̥tyo na bhartā |

न जाया न विद्या न वृत्तिर्ममैव गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानि ॥ १ ॥

na jāyā na vidyā na vṛttirmamaiva gatistvaṃ gatistvaṃ tvamekā bhavāni || 1 ||

भवाब्धवापारे महादुःखभीरु पपात प्रकामी प्रलोभी प्रमत्तः।

bhavāb̥dhāvapāre mahāduḥkhabhīru papāta prakāmī pralobhī pramattaḥ |

कुसंसारपाशप्रबद्धः सदाहं गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानि ॥ २ ॥

kusaṃsārapāśaprabaddhaḥ sadāhaṃ gatistvaṃ gatistvaṃ tvamekā bhavāni || 2 ||

न जानामि दानं न च ध्यानयोगं न जानामि तन्त्रं न च स्तोत्रमन्त्रम्।

na jānāmi dānaṃ na ca dhyānayogaṃ na jānāmi tantraṃ na ca stotramantram |

न जानामि पूजां न च न्यासयोगम् गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानि ॥ ३ ॥

na jānāmi pūjāṃ na ca nyāsayogaṃ gatistvaṃ gatistvaṃ tvamekā bhavāni || 3 ||

न जानामि पुण्यं न जानामि तीर्थं न जानामि मुक्तिं लयं वा कदाचित्।

na jānāmi puṇyaṃ na jānāmi tīrthaṃ na jānāmi muktiṃ layaṃ vā kadācit |

न जानामि भक्तिं व्रतं वापि मातर्गतस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानि ॥ ४ ॥

na jānāmi bhaktiṃ vrataṃ vāpi mātargatistvaṃ gatistvaṃ tvamekā bhavāni || 4 ||

कुकर्मी कुसङ्गी कुबुद्धिः कुदासः कुलाचारहीनः कदाचारलीनः।

kukarmī kusaṅgī kubuddhiḥ kudāsaḥ kulācārahīnaḥ kadācāralīnaḥ |

कुदृष्टिः कुवाक्यप्रबन्धः सदाहम् गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानि ॥ ५ ॥

kudṛṣṭiḥ kuvākyaṃprabandhaḥ sadāham gatistvaṃ gatistvaṃ tvamekā bhavāni || 5 ||

प्रजेशं रमेशं महেশं सुरेशं दिनेशं निशीथेश्वरं वा कदाचित्।

prajeśaṃ rameśaṃ maheśaṃ sureśaṃ dīneśaṃ niśītheśvaraṃ vā kadācit |

न जानामि चान्यत् सदाहं शरण्ये गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानি ॥ ६ ॥

na jñāmi cānyat sadāham śaraṇye gatistvaṃ gatistvaṃ tvamekā bhavāni || 6 ||

বিবাদে বিপাদে প্রমাদে প্রবাসে জলে চানলে পর্বতে শত্রুমধ্যে।

vivāde viṣāde pramāde pravāse jale cānale parvate śatrumadhye |

অরণ্যে শরণ্যে সদা মাং প্রপাহি গতিস্তুং গতিস্তুং ত্বমেকা ভবানি ॥ ৬ ॥

araṇye śaraṇye sadā māṃ prapāhi gatistvaṃ gatistvaṃ tvamekā bhavāni || 7 ||

অনাথো দরিদ্রো জরারোগযুক্তো মহাক্ষীণদীনঃ সদা জাড্যবকত্রঃ।

anātho daridro jarārogayukto mahākṣīṇadīnaḥ sadā jāḍyavaktraḥ |

বিপত্তৌ প্রবিষ্টঃ প্রনষ্টঃ সদাহম্ গতিস্তুং গতিস্তুং ত্বমেকা ভবানি ॥ ৮ ॥

vipattau praviṣṭaḥ pranaṣṭaḥ sadāham gatistvaṃ gatistvaṃ tvamekā bhavāni || 8 ||

অর্থ

The devotee says they have no father, mother, relative, wealth or learning to rely on; they know no worship, pilgrimage, mantra or yoga; they are caught in the ocean of worldly life, weak, poor and ill. In every danger — in dispute, in exile, in water, fire or among enemies — Bhavani alone is their refuge.

এই নথি সম্পর্কে

এই নথির পাঠগুলি সর্বজনীন (পাবলিক ডোমেন) ঐতিহ্যগত ভক্তিমূলক পাঠ বা আমাদের দলের লেখা, এবং নথিভুক্তউৎস ও সংস্করণ-সহ ছাপা হয়েছে।

অর্থগুলি আমাদের নিজের ভাষায় সংক্ষিপ্ত ব্যাখ্যা, পাণ্ডিত্যপূর্ণ অনুবাদ নয়। কোনো পাঠের নিজস্ব শ্লোকে উল্লিখিত উপকার পাঠের অংশ, নিশ্চয়তা নয়।

কিছু সাধনা ঐতিহ্যগতভাবে গুরুর নির্দেশনায় করা হয়। নিজের ঐতিহ্যের নির্দেশনা অনুসরণ করুন।